



वशिव स्वास्थय दविस

प्रलिस के लयि:

वशिव स्वास्थय दविस, राषटरीय चकितिसा आयोग (NMC) अधनियिम, 2019, प्रधानमंत्री भारतीय जन-औषधिपरयोजना, प्रधानमंत्री- जन आरोग्य योजना, भारत का स्वास्थय सूचकांक, SAMRIDH पहल ।

मेन्स के लयि:

वशिव मानसकि स्वास्थय दविस और इसका महत्त्व, भारत में वर्तमान स्वास्थय देखभाल परदृश्य ।

चर्चा में क्यों?

प्रत्येक वर्ष 7 अप्रैल को वशिव स्वास्थय दविस के रूप में मनाया जाता है ।

- [वशिव मानसकि स्वास्थय दविस](#) प्रत्येक वर्ष 10 अक्तूबर को मनाया जाता है ।

वशिव स्वास्थय दविस की मुख्य वशेषताएँ:

परचिय:

- इसका वचिर की परकिलपना वर्ष 1948 में आयोजति वशिव स्वास्थय संगठन की प्रथम वशिव स्वास्थय सभा में की गई थी, जसि वर्ष 1950 में लागू कयिा गया ।
- प्रत्येक वर्ष 7 अपरैल को [वशिव स्वास्थय संगठन \(WHO\)](#) के स्थापना दविस (7 अपरैल, 1948) की वर्षगाँठ पर वशिव स्वास्थय दविस मनाया जाता है ।
- इन वर्षों में इसने मानसकि स्वास्थय, मातृ एवं शशु देखभाल और जलवायु परविरतन जैसे महत्त्वपूर्ण स्वास्थय मुद्दों को प्रकाश में लाया है ।

उद्देशय:

- इसका उद्देशय वैश्वकि स्वास्थय एवं उससे संबंघति समस्यारों पर वचिर-वमिरश करना तथा वशिव में समान स्वास्थय देखभाल सुवधिरों के बारे में जागरूकता फैलान है ।

2022 के लयि थीम:

- हमारा ग्रह, हमारा स्वास्थय (Our Planet, Our Health) ।

महत्त्व:

पर्यावरणीय कारणों से होने वाली मौत की घटनाओं में वृद्धि:

- दुनयिा भर में 13 मलियन मौतें परहार्य पर्यावरणीय कारणों से होती हैं ।
 - इसमें जलवायु संकट भी शामिल है जो मानवता के समकष सबसे बड़ा स्वास्थय खतरा है ।

बढ़ता वायु प्रदूषण:

- 90% से अधिक लोग जीवाशम ईधन के जलने से प्रदूषति होने वाली अस्वास्थ्यकर वायु में साँस लेते हैं ।

महामारी का प्रभाव:

- [महामारी](#) ने समाज के सभी कषेत्रों में सुभेदयताओं को उजागर कयिा है और पारस्थितिकि सीमारों को तोड़े बना मौजूदा एवं भवषिय की पीढ़ियों के लयि समान स्वास्थय प्राप्त करने हेतु प्रतबिद्ध स्थायी कल्याणकारी समाज बनाने की तात्कालकितता को रेखांकति कयिा है ।

बढ़ती चरम मौसम की घटनाएँ:

- चरम मौसम की घटनाएँ, [भूमि कषरण](#) और पानी की कमी लोगों को वसि्थापन के लयि मजबूर कर रही है और उनके स्वास्थय को प्रभावति कर रही है ।

बढ़ता प्रदूषण और प्लास्टिक:

- [प्रदूषण और प्लास्टिक](#) भी लोगों के जीवन को प्रभावति कर रहे हैं और इसने हमारी खाद्य शृंखला में अपनी जगह बना ली है ।

आय का असमान वतिरण:

- अस्थव्यवस्था का वरतमान स्वरूप आय, धन और शकतकिे असमान वतिरण की ओर ले जाता है, जसिमें बहुत से लोग अब भी गरीबी और अस्थरिता में जी रहे हैं ।

भारत में मौजूदा स्वास्थय कल्याण परदृश्य:

- यदयपि पिछले पाँच वर्षों में भारत का स्वास्थय सेवा कषेत्र तेज़ी से बढ़ा है (22% की चक्रवृद्धि वार्षकि वृद्धिदर), कतिु कोवडि-19 ने कमज़ोर स्वास्थय प्रणाली, गुणवत्तापूर्ण बुनयिादी अवसंरचना की कमी और गुणवत्तापूर्ण सेवा वतिरण की कमी जैसी चुनौतियों को उजागर कयिा है ।
- भारत का स्वास्थय देखभाल खर्च सकल घरेलू उत्पाद (GDP) का 3.6% है, जसिमें जेब खर्च के आलावा सार्वजनकि व्यय शामिल हैं ।
 - केंद्र और राज्य दोनों का संयुक्त कुल सरकारी खर्च सकल घरेलू उत्पाद का 1.29% है ।
 - भारत का स्वास्थय देखभाल पर खर्च ब्रकिस देशों में सबसे कम है । ब्राज़ील सबसे अधिक (9.2%) खर्च करता है, उसके बाद दक्षिण अफरीका (8.1%), रूस (5.3%), चीन (5%) का स्थान है ।
- भारत सरकार ने प्रमुख पहल [आयुषमान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना](#) शुरू की है, जो सरकार द्वारा प्रायोजति वशिव की सबसे बड़ी गैर-अंशदायी स्वास्थय बीमा योजना है तथा माध्यमकि और तृतीयक सुवधिरों के साथ गरीब व कमज़ोर परविरों को इन-पेशेंट स्वास्थय देखभाल (In-Patient Healthcare) तक पहुँच प्रदान करती है ।

स्वास्थय कषेत्र से संबंघति पहलें:

- [राष्ट्रीय चकितिसा आयोग \(एनएमसी\) अधनियिम, 2019](#)
- [प्रधानमंत्री भारतीय जन-औषधियोजना](#)
- [प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना](#) ।
- [भारत का स्वास्थय सूचकांक](#)
- [समृद्ध कार्यक्रम](#)

स्रोत: डाउन टू अर्थ

